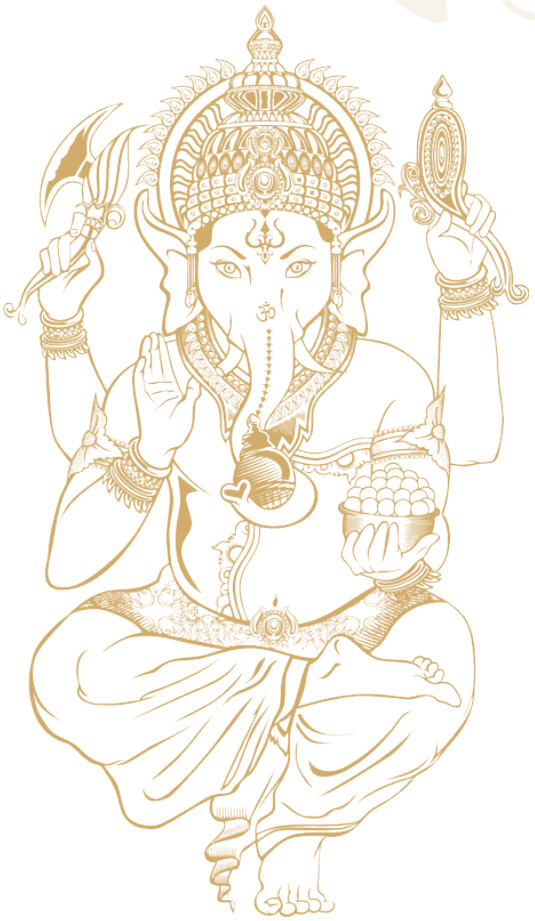

06 Oct 2008

11:58 PM

Jhansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121350207

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/10/2008**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**23:58:00 घंटे**
इष्ट	44:29:20 घटी
स्थान	**Jhansi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:42:16 घंटे
वेलान्तर	00:11:56 घंटे
साम्पातिक काल	00:45:24 घंटे
सूर्योदय	06:10:15 घंटे
सूर्यास्त	17:57:00 घंटे
दिनमान	11:46:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	19:53:15 कन्या
लग्न के अंश	26:41:20 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शोभन
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	26:41:20	313:48:13	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	19:53:15	00:59:11	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	सम राशि
चंद्र			धनु	13:15:10	11:51:46	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
मंगल		अ	तुला	07:45:47	00:40:40	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
बुध	व	अ	कन्या	20:06:16	01:10:06	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	स्वराशि
गुरु			धनु	19:49:39	00:05:15	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	स्वराशि
शुक्र			तुला	21:26:10	01:13:03	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	स्वराशि
शनि			सिंह	21:57:06	00:06:59	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		मक	22:45:29	00:00:51	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	22:45:29	00:00:51	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	25:46:51	00:02:07	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	---
नेप	व		मक	27:40:39	00:00:50	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
प्लूटो			धनु	04:42:50	00:00:52	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	18:21:40	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:58:57

लग्न-चलित

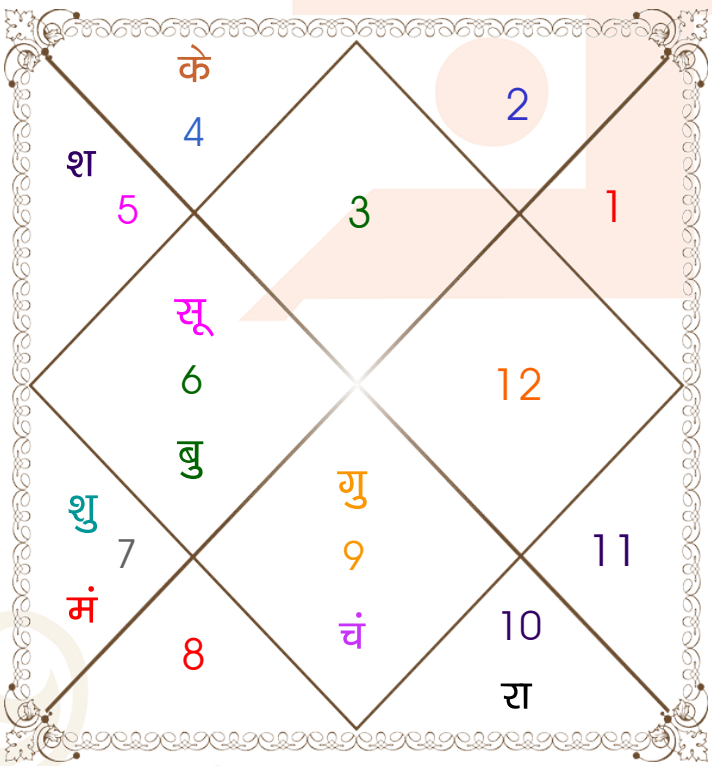

चन्द्र कुंडली

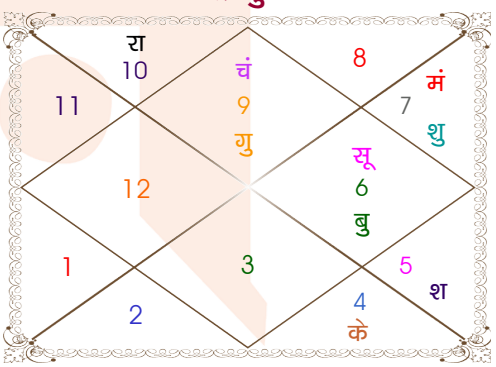

नवमांश कुंडली

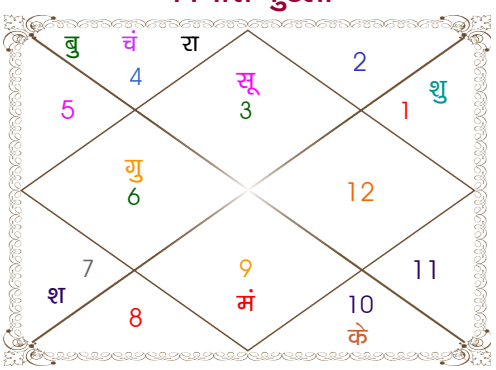

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 0 मास 15 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
06/10/2008		22/10/2008		22/10/2028		22/10/2034		22/10/2044	
22/10/2008		22/10/2028		22/10/2034		22/10/2044		23/10/2051	
00/00/0000	शुक्र 21/02/2012		सूर्य 09/02/2029		चंद्र 23/08/2035		मंगल 20/03/2045		
00/00/0000	सूर्य 21/02/2013		चंद्र 10/08/2029		मंगल 23/03/2036		राहु 08/04/2046		
00/00/0000	चंद्र 22/10/2014		मंगल 16/12/2029		राहु 22/09/2037		गुरु 14/03/2047		
00/00/0000	मंगल 23/12/2015		राहु 10/11/2030		गुरु 22/01/2039		शनि 22/04/2048		
00/00/0000	राहु 22/12/2018		गुरु 29/08/2031		शनि 22/08/2040		बुध 20/04/2049		
00/00/0000	गुरु 22/08/2021		शनि 10/08/2032		बुध 22/01/2042		केतु 16/09/2049		
00/00/0000	शनि 22/10/2024		बुध 16/06/2033		केतु 23/08/2042		शुक्र 16/11/2050		
06/10/2008	बुध 23/08/2027		केतु 22/10/2033		शुक्र 22/04/2044		सूर्य 24/03/2051		
बुध 22/10/2008	केतु 22/10/2028		शुक्र 22/10/2034		सूर्य 22/10/2044		चंद्र 23/10/2051		

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
23/10/2051		22/10/2069		22/10/2085		23/10/2104		23/10/2121	
22/10/2069		22/10/2085		23/10/2104		23/10/2121		07/10/2128	
राहु 05/07/2054		गुरु 10/12/2071		शनि 25/10/2088		बुध 22/03/2107		केतु 21/03/2122	
गुरु 27/11/2056		शनि 23/06/2074		बुध 05/07/2091		केतु 18/03/2108		शुक्र 21/05/2123	
शनि 04/10/2059		बुध 28/09/2076		केतु 13/08/2092		शुक्र 17/01/2111		सूर्य 26/09/2123	
बुध 23/04/2062		केतु 03/09/2077		शुक्र 14/10/2095		सूर्य 23/11/2111		चंद्र 26/04/2124	
केतु 11/05/2063		शुक्र 04/05/2080		सूर्य 25/09/2096		चंद्र 24/04/2113		मंगल 23/09/2124	
शुक्र 11/05/2066		सूर्य 21/02/2081		चंद्र 26/04/2098		मंगल 21/04/2114		राहु 11/10/2125	
सूर्य 05/04/2067		चंद्र 23/06/2082		मंगल 05/06/2099		राहु 07/11/2116		गुरु 17/09/2126	
चंद्र 04/10/2068		मंगल 30/05/2083		राहु 12/04/2102		गुरु 13/02/2119		शनि 27/10/2127	
मंगल 22/10/2069		राहु 22/10/2085		गुरु 23/10/2104		शनि 23/10/2121		बुध 07/10/2128	

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 0 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशग्र बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नही चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।